

| | | | |
|-----|------|---|------|
| 664 | 3476 | 4 | 46 |
| 663 | 3477 | 5 | 47 |
| 662 | 3478 | 6 | 48 |
| 661 | 3479 | 7 | 49 |
| 660 | 3480 | 1 | 1/50 |
| 659 | 3481 | 2 | 2 |
| 658 | 3482 | 3 | 3 |
| 657 | 3483 | 4 | 4 |
| 656 | 3484 | 5 | 5 |
| 655 | 3485 | 6 | 6 |
| 654 | 3486 | 7 | 7 |
| 653 | 3487 | 1 | 8 |
| 652 | 3488 | 2 | 9 |
| 651 | 3489 | 3 | 10 |
| 650 | 3490 | 4 | 11 |
| 649 | 3491 | 5 | 12 |
| 648 | 3492 | 6 | 13 |
| 647 | 3493 | 7 | 14 |
| 646 | 3494 | 1 | 15 |
| 645 | 3495 | 2 | 16 |
| 644 | 3496 | 3 | 17 |
| 643 | 3497 | 4 | 18 |
| 642 | 3498 | 5 | 19 |
| 641 | 3499 | 6 | 20 |
| 640 | 3500 | 7 | 21 |
| 639 | 3501 | 1 | 22 |
| 638 | 3502 | 2 | 23 |
| 637 | 3503 | 3 | 24 |
| 636 | 3504 | 4 | 25 |
| 635 | 3505 | 5 | 26 |
| 634 | 3506 | 6 | 27 |
| 633 | 3507 | 7 | 28 |
| 632 | 3508 | 1 | 29 |
| 631 | 3509 | 2 | 30 |
| 630 | 3510 | 3 | 31 |
| 629 | 3511 | 4 | 32 |
| 628 | 3512 | 5 | 33 |
| 627 | 3513 | 6 | 34 |
| 626 | 3514 | 7 | 35 |
| 625 | | | |
| | | 1 | 36 |
| | | 2 | 37 |
| 624 | | | |

| | | |
|--|--|----|
| | | 0 |
| | | 1 |
| | | 2 |
| | | 3 |
| | | 4 |
| | | 5 |
| | | 6 |
| | | 7 |
| | | 8 |
| | | 9 |
| | | 10 |
| | | 11 |
| | | 12 |
| | | 13 |
| | | 14 |
| | | 15 |
| | | 16 |
| | | 17 |
| | | 18 |
| | | 19 |
| | | 20 |
| | | 21 |
| | | 22 |
| | | 23 |
| | | 24 |

| | | |
|--|--|----|
| | | 0 |
| | | 1 |
| | | 2 |
| | | 3 |
| | | 4 |
| | | 5 |
| | | 6 |
| | | 7 |
| | | 8 |
| | | 9 |
| | | 10 |
| | | 11 |
| | | 12 |
| | | 13 |
| | | 14 |
| | | 15 |
| | | 16 |
| | | 17 |
| | | 18 |
| | | 19 |
| | | 20 |
| | | 21 |
| | | 22 |
| | | 23 |
| | | 24 |
| | | 25 |
| | | 26 |
| | | 27 |
| | | 28 |
| | | 29 |
| | | 30 |
| | | 31 |
| | | 32 |
| | | 33 |
| | | 34 |
| | | 35 |
| | | 36 |
| | | 37 |
| | | 38 |
| | | 39 |
| | | 40 |
| | | 41 |
| | | 42 |
| | | 43 |
| | | 44 |
| | | 45 |
| | | 46 |
| | | 47 |
| | | 48 |
| | | 49 |
| | | 50 |
| | | 51 |
| | | 52 |
| | | 53 |
| | | 54 |
| | | 55 |
| | | 56 |
| | | 57 |
| | | 58 |
| | | 59 |
| | | 60 |
| | | 61 |
| | | 62 |
| | | 63 |
| | | 64 |
| | | 65 |
| | | 66 |
| | | 67 |
| | | 68 |
| | | 69 |
| | | 70 |
| | | 71 |
| | | 72 |
| | | 73 |
| | | 74 |
| | | 75 |
| | | 76 |
| | | 77 |
| | | 78 |
| | | 79 |
| | | 80 |
| | | 81 |
| | | 82 |
| | | 83 |
| | | 84 |
| | | 85 |
| | | 86 |
| | | 87 |
| | | 88 |
| | | 89 |
| | | 90 |
| | | 91 |
| | | 92 |
| | | 93 |
| | | 94 |
| | | 95 |

acc. ca. Feb, 664

"The Assyrian scribes...and Arab writers, made the freest use of what their predecessors had put into writing. Professor Olmstead has called particular attention to the boldness with which Assurbanipal's scribes manufactured campaigns for the annals of their lord by "lifting" and embellishing the words of Esarhaddon's narratives. Indeed, it looks as if most of Assurbanipal's campaigning had been done with scissors and paste-pot. But he was by no means the first Oriental monarch who was surrounded by obsequious scribes who knew how to write history which would please their vainglorious lord. This sort of thing can be traced right back to the beginnings of written history. And no scribe thought it improper to lighten his labors or to make them acceptable by using the successful "writeups" of former scribes. I have called attention elsewhere to the fact that lists of conquered countries and cities are apt to appear almost unchanged in the records of successive rulers." (pg. 221, *The American Journal of Semitic Languages and Literatures*, D.D. Luckenbill, Vol. XLI, July 1925, No. 4., "Azariah of Judah.").

Adad-guppi, excavated from the foundations of Harran's Great Mosque in 1952,
Adad-guppi inscription (the chronological parts):
29. From the 20th year of Assurbanipal, king of Assyria, that I was born (in)
30. until the 42nd year of Assurbanipal, the 3rd year of Assur-etillu-ili,
31. his son, the 21st year of Nabopolassar, the 43rd year of Nebuchadrezzar,
32. the 2nd year of Awel-Marduk, the 4th year of Neriglissar,
33. in 95 years
26. From the time of Assurbanipal, king of Assyria, until the 9th year
27. of Nabu-na'id king of Babylon, the son, offspring of my womb
28. 104 years of happiness
40. endure not, (but) let him worship thy great godhead. In the 21 years
41. of Nabopolassar, king of Babylon, in the 43 years of Nebuchadrezzar,
42. son of Nabopolassar, and 4 years of Neriglissar, king of Babylon,
43. (when) they exercised the kingship, for 68 years

A son of twenty and two years Amon was in his reigning, and two years he had reigned in Jerusalem. 2 Kings 21:19
No. 39: IIK 21:19-26.

Amon
son of Manasseh
A son of eight years Josiah was in his reigning, and thirty and one years he had reigned in Jerusalem. 2 Kings 22:1
No. 40: IIK 22:1-23:30;

Josiah
son of Amon

Jeremiah 25:3

Cf. British Museum Tablet No. 25127, and Finegan §429 on the accession of Nabopolassar.

b. Apis XXVI

Howard 1899 Mars Tablet
John P. Britton

BM 86379
BM 32312

civil war w/Assyria

Adad-guppi born 104 years to 9th year of Nabonidus

Babylon falls.

1 Feb, 647 = Thoth 1 3/18

d. Apis 21y 2m
3/25

Saturn observations (BM 76738 + 76813) confirm Kandarianu's reign, and also agree with the use of the Scriptural equinox rule for the first month.

Adad-guppi, 42 years

Ashur-Etel-ilani

27 Jan 625 = Thoth 1
Add-guppi, 3 years

Babylon revolts

1
2
3